# छाया के खेल

धूप में अपनी छाया तो तुमने देखी ही होगी। खूब नकल उतारती है न तुम्हारी छाया? जहां जाओ वहीं तुम्हारे साथ जाती है। तुम जो करो वह भी वही करती नजर आती है।

तो चलो, क्यों न अपने हाथों की छाया से हम कुछ रोचक करतब करें? इस खेल से तुम्हें तो मजा आएगा ही, अपने संगी–साथियों का भी खूब मनोरजंन कर सकोगे।

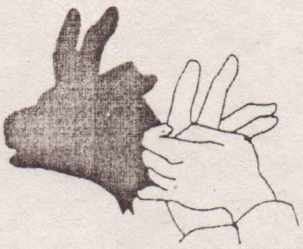

इस खेल में तुम्हें एक सपाट सतह पर अपने हाथों से तरह–तरह की छायाएं बनानी हैं। अगर हाथों को विशेष तरह से रखा जाए तो हाथों की छाया से अलग–अलग जीव–जन्तुओं की आकृतियां बनाई जा सकती हैं। छाया किसी सफेद दीवार या पर्दे पर बने तो बेहतर दिखती हैं। और यह खेल अगर एक अंधेरे कमरे में मोमबत्ती, दीये या टेबल लैंप की रोशनी में किया जाए तो ज्यादा मजा आएगा। खेल को और रोचक बनाने के लिए अपने मुंह से इन जानवरों की आवाजें भी निकाल सकते हो।

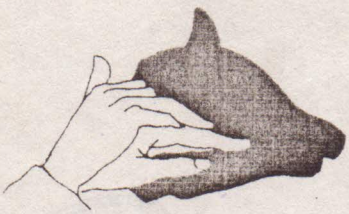

साथ में दिए चित्रों में हाथों की स्थिति और उनसे बनने वाली आकृतियां दिखाई गई हैं। चित्र देखकर हाथों को ठीक वैसे ही जमाओ और आकृतियां बनाओ। देखो कि क्या तुम्हारे दोस्त पहचान पाते हैं कि तुमने कौन सा जानवर बनाया है। कोशिश करके इन आकृतियों के अलावा और भी कई तरह की आकृतियां बनाओ।